न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर

पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर0ए0एस0)
वाद सं0 : 964 सन 2020
अनवान :–

1. सागरसिह पुत्र राजेन्द्रसिह जाति जाट निवासी चक 9 केएनएन तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. इन्द्रो पत्नी राजेन्द्रसिह जाति जाट साकिन चक 9 केएनएन तहसील नोहर।
2. सोनु पुत्री राजेन्द्रसिह जाति जाट साकिन चक 9 केएनएन तहसील नोहर।
3. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88

उपस्थित : श्री रामकुमार बैनीवाल अधिवक्ता वादी
पेरोकार राज

निर्णय दिनांक :– 01/09/2021

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88 के तहत इस आश्य का पेश किया गया की रोही मौजा चक 9 केएनएन के खाता संख्या 95/89 की कुल 3.5800हैक व रोही मोजा चक 12 केएनएन के खाता संख्या 87/85 की कुल 1.2650हैक एवं रोही मौजा चक 19 जेएसएन के खाता संख्या 126/107 की कुल 0.3795हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम सें दर्ज है।

वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज है जो वादी का पिता है राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम का देहान्त हो चुका है राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के जायज वारिसान उसके पुत्र/पुत्री/पत्नी वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 है जो राजस्व रिकार्ड में राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज वाद भूमि को पाने के अधिकारी है अर्थात राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज भूमि के वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 हकदार है जो अपने हक हिस्सा के अनुसार भूमि पाने के अधिकारी है।

प्रतिवादी संख्या 2 वादी की बहन है एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री है एवं मृतक राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम की पुत्री है प्रतिवादी संख्या 2 की शादी हो चुकी है एवं प्रतिवादी संख्या 2 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 का बराबर का हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 को कई मर्तबा कहा की वादी के हक हिस्सा की भूमि को उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिनों तक तो आज कल आज कल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिये यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम जो वादी का पिता है के नाम से दर्ज भूमि को वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वादी का वाद प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 जरिये अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित आकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल दावा पेश किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ,2 ने निवेदन किया की वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज है जो वादी का पिता है जिनका देहान्त हो चुका है जिनके जायज वारिसान वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 है तथा प्रतिवादी संख्या 2 ने निवेदन किया की उसने अपने

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

हक हिस्सा की भूमि को अपने भाई/माता वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के पक्ष में त्याग किया हुआ है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है व अपने कथनों के समर्थन में ईकबाला दावा पेश किया गया। शामिल मिसल किया एवं प्रतिवादी संख्या 3 पेरोकार राज ने जबाब पेश किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्य हकों को सुरक्षित रखते हुए निस्तारण किया जाता है तो कोई ऐतराज नही है जबाब शामिल मिसल किया गया।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का ईकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी ने अपना शपथ पत्र पेश किया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पष्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

वकील वादी के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने वाद में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा चक 9 केएनएन के खाता संख्या 95/89 की कुल 3.5800हैक्‍ व रोही मोजा चक 12 केएनएन के खाता संख्या 87/85 की कुल 1.2650हैक्‍ एवं रोही मौजा चक 19 जेएसएन के खाता संख्या 126/107 की कुल 0.3795हैक्‍ भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम सें दर्ज है।

वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज है जो वादी का पिता है राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम का देहान्त हो चुका है राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के जायज वारिसान उसके पुत्र/पुत्री/पत्नी वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 है जो राजस्व रिकार्ड में राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज वाद भूमि को पाने के अधिकारी है अर्थात राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज भूमि के वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 हकदार है जो अपने हक हिस्सा के अनुसार भूमि पाने के अधिकारी है।

प्रतिवादी संख्या 2 वादी की बहन है एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री है एवं मृतक राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम की पुत्री है प्रतिवादी संख्या 2 की शादी हो चुकी है एवं प्रतिवादी संख्या 2 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 का बराबर का हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी के वाद को प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के सम्बध में कोई ऐतराज नही है वादी अपने कथनों के सम्बध में न्यायायिक दृष्टान्त आर.बी.जे. 1998 पेज 615 एवं आरआरडी वर्ष 1998 पेज 646 प्रस्तुत कर निवेदन किया की कोई भी खातेदार काश्तकार आपसी सहमति /राजीनामा के आधार पर अपने हकों को स्थानान्तरण कर सकता है अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमने उभयपक्षो की बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा चक 9 केएनएन के खाता संख्या 95/89 की कुल 3.5800हैक्‍ व रोही मोजा चक 12 केएनएन के खाता संख्या 87/85 की कुल 1.2650हैक्‍ एवं रोही मौजा चक 19 जेएसएन के खाता संख्या 126/107 की कुल 0.3795हैक्‍ भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम सें दर्ज है।

वादी का कथन है कि वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज है राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम का देहान्त हो चुका है राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के जायज वारिसान उसके पुत्र/पुत्री/पत्नी वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 है जो वाद भूमि पाने के अधिकारी है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 1 ,2 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश जाकर निवेदन किया की वाद भूमि जो राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम से दर्ज है के वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 अपने हक हिस्सा के अनुसार पाने के अधिकारी है

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

वादी का कथन है कि प्रतिवादी संख्या 2 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एव प्रतिवादी संख्या 1 के पक्ष में किया हुआ है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 2 ने स्वीकार किया जाकर इकबाल पेश किया जाकर निवेदन किया जा चुका है कि वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है

वादी के वाद को प्रतिवादीगण के द्वारा स्वीकार करने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुत एवं न्यायायिक दृष्टान्तों जो प्रकरण पर चस्पा होते है के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण काबिल डिक्री है तथा प्रतिवादी संख्या 2 ने अपने हकों का त्याग किये जाने के कारण राज्यहकों की सुरक्षा के मध्यनजर स्टाम्प डयूटी कायम की जानी न्यायोचित है।

अतः वादी के वादी को प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 के द्वारा वादी के वाद को स्वीकार करने एवं पेरोकार राज का किसी प्रकार का ऐजराज नही होने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो एवं न्यायायिक दृष्टान्तों के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा चक 9 केएनएन के खाता संख्या 95/89 की कुल 3.5800हैक व रोही मोजा चक 12 केएनएन के खाता संख्या 87/85 की कुल 1.2650हैक एवं रोही मौजा चक 19 जेएसएन के खाता संख्या 126/107 की कुल 0.3795हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम सें दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर वादी अकेला 2/3 हिस्सा एवं प्रतिवादी संख्या 1 अकेला 1/3 हिस्सा की खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे। इसी आश्य की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो ।

निर्णय आज दिनांक 01/09/2021 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

सत्यमेव जयते

पर्चा डिक्री

(आडॅर 20, रूल 6–7 जाब्ता दिवानी)

न्याायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर

अनवान :–

1. सागरसिह पुत्र राजेन्द्रसिह जाति जाट निवासी चक 9 केएनएन तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1 इन्द्रो पत्नी राजेन्द्रसिह जाति जाट साकिन चक 9 केएनएन तहसील नोहर।
2. सोनु पुत्री राजेन्द्रसिह जाति जाट साकिन चक 9 केएनएन तहसील नोहर।
3. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 964 सन 2020 निर्णय दिनांक– 01/09/2021

आज यह वाद मुझ श्वेता कोचर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोहर के समक्ष अधिवक्ता वादी एवं पेरोकार राज की उपस्थिति में अंतिम निपटारे/ निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबुतो एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा चक 9 केएनएन के खाता संख्या 95/89 की कुल 3.5800हैक व रोही मोजा चक 12 केएनएन के खाता संख्या 87/85 की कुल 1.2650हैक एवं रोही मौजा चक 19 जेएसएन के खाता संख्या 126/107 की कुल 0.3795हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता राजेन्द्रसिह पुत्र नन्दराम के नाम सें दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर वादी अकेला 2/3 हिस्सा एवं प्रतिवादी संख्या 1 अकेला 1/3 हिस्सा की खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे।

पर्चा डिक्री आज दिनांक 01/09/2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई ।

सत्यमेव जयते

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)

उपखण्ड अधिकारी
नोहर